Hindi Diary/हिन्दी डायरी

एक छोटीसी कण है करोना

श्रीमती एस वी श्री देवी
अनुभाग अधिकारी, मानव संसाधन अनुभाग
KID: 20210407

एक छोटा सा वायरस है कोरोना ।
बड़ी आफत की पुड़िया है कोरोना ।
हर एक को डर में डुबोया है कोरोना ।
इंसान को झकझोर रहा है कोरोना ।।

भेदभाव नहीं कोई कर रहा है कोरोना ।
हर एक को छूकर निकल रहा है कोरोना ।
ज़िन्दगी और मौत के बीच खड़ा है कोरोना ।
चाहे जिसकी जान ले रहा है कोरोना ।।

ठहर-ठहर कर आना लगता इसका षड्यंत्र है ।
जहान को शमशान बनाना लगता इसका कुतंत्र है ।
इस कारण सबका मन अशांत है ।
न जाने कब होगा इसका अंत है ।।

क्यों डरें कब तक डरें ।
बेवक्त कोई क्यों मरें ।
चलो अब तो दिल में ठान लें ।
इसके फैलने की वजह जान लें ।।

संयम से काम लेंगे ।
दो गज की दूरी ना भूलेंगे ।
मास्क, वैक्सीन ना छोड़ेंगे ।
कोरोना को मार भगायेंगे ।।

हिंदी मेरी मातृ भाषा, मेरी माँ की परिभाषा

श्रीमती मिताली अग्रवाल
जनसंपर्क अधिकारी
KID: 20210408

एक जन्म देती हैं और एक सनम देती हैं,
बिना जन्म दिए जो मा सा प्यार दे
वह सासुमाँ होती हे।
वो संग संग फेरे तो नहीं लेती,
परंतु साथ जन्मो का रिश्ता बांध देती हैं|

मेरी सासुमाँ श्रीमती वी शारदा को समर्पित

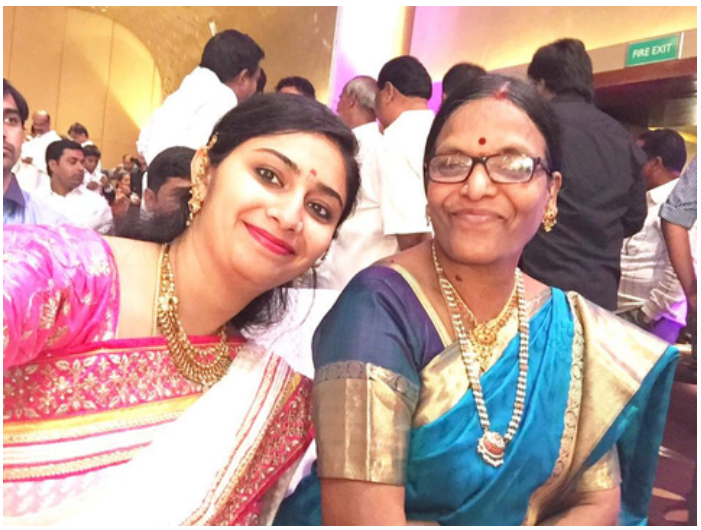

लोग कहते है, जन्नत पर स्वर्ग होता हैं,
माँ खुदा की सबसे खूबसुरत तोफा होता हैं।
माँ से शुरू जिंदगी होती है,
मां की दुआओं से ये जीवन सफल होता हैं|

मेरी माँ डॉ लता अग्रवाल को समर्पित